an>

Title: Need to award 'Bharat Rantna' to Mahatma Jyotibha Phule for the welfare of the society.

श्री राहुल शेवाले (मुम्बई दक्षिण मध्य) : माननीय सभापति महोदय, हमारे देश के महान समाज सुधारक श्री ज्योतिबा गोविंदराव फुले, जिन्हें महात्मा ज्योतिबा फुले के नाम से भी जाना जाता है, ने अस्पृश्यता और अन्य सामाजिक बुराइयों को समाप्त करने के लिए जीवन पर्यन्त संÂघर्ष किया। महात्मा ज्योतिबा फुले का जन्म महाराÂष्ट्र के पुणे में एक गरीब परिवार में हुआ। उन्हें शिक्षा के प्रति बहत लगाव था। उन्होंने स्कॉटिश मिशन स्कूल से 1847 में हाई स्कूल की शिक्षा प्राप्त की थी। उस समय के बड़े-बड़े सामाजिक रिफोर्मिस्ट के लेखन से प्रभावित हो कर उस समय प्रचलित सामाजिक बुराइयों के खिलाफ उन्होंने मोर्चा खोल दिया। वे महिला शिक्षा के हामी रहे और महिलाओं को शिक्षित करने के लिए बहुत कार्य किया।

विवाह के पश्चात उन्होंने अपनी पत्नी सावित्री बाई फुले को शिक्षित किया और दलित जातियों के उत्थान और उनको शिक्षित करने के लिए फुले ने अगस्त, सन् 1848 में भारत के प्रथम महिला स्कूल की स्थापना की। जाति प्रथा के सामाजिक कलंक को दूर करने के लिए उन्होंने अपने घर के कुएँ और तालाब सभी के लिए खोल दिए। विधवा पुनर्विवाह के लिए उन्होंने आवाज उठायी और प्रत्येक जाति की महिलाओं के लिए संस्था का निर्माण कर उन्हें आजाद जीवन जीने का हक दिलाने का प्रयत्न किया। 24 सितंबर, 1873 में ज्योतिबा फुले ने सत्यशोधक समाज की स्थापना की जिसे समाज के हर वर्ग की महिलाओं का समर्थन प्राप्त था।

दलितों के मसीहा ज्योतिबा फुले के समाज सुधार के कार्यों और बलिदान के फलस्वरूप महात्मा गांधी उन्हें महात्मा ज्योतिबा ज्योतिबा फुले पुकारा करते थे। उनके स्मरण के रूप में जयपुर और मुंबई के अनेक शैक्षणिक संस्थाओं के नाम उनके नाम पर रखे गए हैं। पुणे और मुंबई तथा देश अन्य भागों में कई संस्था, मार्ग और पार्क उनके नाम से जाने जाते हैं।

महोदय, आपके माध्यम से मेरी पार्टी शिवसेना और असंख्य देशवासियों की ओर से सरकार से मेरा अनुरोध है कि महात्मा ज्योतिबा फुले को इस साल में उनके दलित समाज के उत्थान और महिला शिक्षा कार्यों के लिए देश का सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न अवार्ड से नावाजा जाए।

HON. CHAIRPERSON:

Kunwar Pushpendra Singh Chandel is permitted to associate with the issue raised by Shri Rahul Shewale.